हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, बुधवार, 3 अप्रैल 2024

12 जब तक अंडरपास निर्माण कार्य पूरा नहीं होता, तब तक जारी रहेगा धरना

12 हिन्दी माध्यम वाले बच्चों का मॉडल संस्कृति स्कूलों में नहीं होगा दाखिला

नारनौल शहर में पहली बार
विश्वस्तरीय व आधुनिक तकनीक से लैश
गैस्ट्रोएन्टेरोलॉजी विभाग
आँत, पेट, लीवर व पैनक्रियाज से सम्बंधित बिमारियाँ
एण्डोस्कोपी, कॉलोनोस्कोपी एवं ERCP की सुविधा

डॉ. अशोक कुमार
MBBS, MD Medicine (GMCH, Chandigarh)
DM Gastroenterology (DMCH, Ludhiana)
Ex. Const. Saroj Super Speciality Hospital, Delhi
Ex. Const. Jaipur Golden Hospital, Delhi
Ex. Sr. Const. Ujala Sygnus : Sonia Hospital, Delhi
रेवाड़ी, जयपुर एवं दिल्ली की सभी सुविधाएं नारनौल में पहली बार

27 मार्च 2024 से नियमित ओपीडी सेवाएं
24 घण्टे आपातकालीन सेवा उपलब्ध
रेनबो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
एवं ट्रॉमा सैन्टर
सिंघाना रोड, महावीर चौक, नारनौल (हरि.)
Ph. 01282-298621, 9991116314

खबर संक्षेप

मसानी जोहड़ में माता का मेला आज

महेंद्रगढ़। माता मसानी का मेला आज माता मसानी जोहड़ में आयोजित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ बलवान सिंह फौजी करेंगे। प्रधान उमीर सिंह ने बताया कि मेले में हरियाणवी धाप मंडली कंपटीशन प्रतियोगिता का आयोजन होगा। विजेताओं को आकर्षक इनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। मेले अवसर पर माता मसानी मंदिर को आकर्षक रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया जाएगा।

कनीना-महेंद्रगढ़ सड़क पर दो कारों की टक्कर

कनीना। कनीना-महेंद्रगढ़ सड़क मार्ग पर पेट्रोल पंप के समीप दो कारों की भिड़ंत हो गई। जिसमें एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। चालक की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। भड़फ निवासी शेरसिंह ने बताया कि वह 31 मार्च को महेंद्रगढ़ से कनीना आ रहा था। कनीना में पेट्रोल पंप के समीप पहुंचा तो सामने से आ रही दूरी कार ने साईड से टक्कर मार दी। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।

सतनाली में चरमराई बिजली आपूर्ति व्यवस्था

सतनाली मंडी। गर्मी के साथ ही सतनाली कस्बे में बिजली आपूर्ति व्यवस्था चरमरा गई है। दो दिन से तो कस्बे में लग रहे अघोषित लंबे कट से उपभोक्ता भारी परेशान रहे। कस्बे के महेंद्र, बिजेंद्र, नवीन, विनोद, जोगेंद्र, संजय, अनिज, राजू, मुकेश आदि ने बताया कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है कस्बे में अघोषित बिजली कट की समस्या गहराती जा रही है। दो दिनों से तो लगातार अघोषित कट लगाए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि बिना पूर्व सूचना के सोमवार को सुबह से बार-बार बिजली कटने का सिलसिला शुरू हो गया। बाद दोपहर लगातार तीन घंटे तक बिजली कट लगा दिया गया। मंगलवार को भी सुबह से ही बार-बार अघोषित बिजली कट का सिलसिला जारी रहा।

बव्वा में आज लगेगा शीतला माता का मेला

कनीना। बव्वा गांव में बुधवार को शीतला माता मेले का आयोजन किया जाएगा। चंद्रभान व सुरेंद्र यादव ने बतया कि माता मंदिर प्रांगण में सोमवार रात्रि जागरण को जागरण व मंगलवार सुबह 10 बजे भंडारा लगाया। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। बुधवार को आयोजित होने वाले मेले में दूर-दराज से श्रद्धालु आएंगे।

पेयजल संकट से शहरवासियों को मिलेगी राहत, छह को शहर में मिल सकता है रेगुलर पानी

जलघर के तीन टैंक खाली, चौथे में मात्र एक फीट पानी, 15 दिन का पानी स्टोर करने की क्षमता नहर में 10 मार्च को आना था पानी, होली से पहले हो राशनिंग से हो रही पानी की सप्लाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

करीब 10 दिन से पेयजल संकट का सामना कर रहे शहर के लोगों को 6 अप्रैल से पेयजल संकट राहत मिलने वाली है। तीन अप्रैल को हैड खुलने के बाद नहर में पानी आना शुरू हो जाएगा। वर्तमान में गांव देवास स्थित जलघर के तीन टैंक खाली हो चुके हैं। वहीं एक टैंक में महज चार फुट ही पानी शेष है।

महेंद्रगढ़ शहर पूरी तरह से नहरी पानी पर निर्भर हैं। नहरी पानी पर आधारित देवास जलघर में 85 लाख लीटर पानी की क्षमता के चार टैंक बने हुए हैं। जिससे शहर में पेयजल सप्लाई होती हैं। 10 मार्च को नहर में पानी आना बंद हो गया था। 22 मार्च से ही पानी की राशनिंग शुरू कर दी गई थी। प्रतिदिन शहर की 40 हजार की आबादी को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 155 लीटर पानी के हिसाब से कुल 6.45 लाख लीटर पानी की आवश्यकता है। अगर इस समय नहर में पानी नहीं आता तो शहर के लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ सकता था।

एक टैंक में बचा है तीन फीट पानी

जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से गांव देवास में 85 लाख लीटर पानी की क्षमता के चार टैंक बनाए गए हैं। वर्तमान में तीन टैंक खाली हो चुके हैं। एक टैंक में महज चार फीट पानी बचा हुआ हैं। शहर की आबादी के हिसाब टैंक में 15 दिन का पानी स्टोर हो सकता हैं। शहर की आबादी को प्रतिदिन प्रति व्यक्ति के हिसाब से 6.45 लाख लीटर पानी की आवश्यकता है।

लेकिन अब इसमें कटौती कर नहरी पानी आने तक प्रतिदिन महज 3 लाख लीटर पानी ही आपूर्ति किया जा रहा है। अगर 6 अप्रैल तक नहर में पानी नहीं आता है तो शहर के लोगों के सामने पेयजल संकट खड़ा हो सकता हैं।

शहर के आसपास जनस्वास्थ्य विभाग के लगे हैं 12 बोरवेल

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कनिष्ठ अभियंता दीपचंद ने बताया कि जिले में नहरी पानी आपूर्ति आठ मार्च को ही बंद कर दी गई थी। अब संभावना जताई जा रही है कि आगामी पांच अप्रैल को ही नहरी में पानी आना शुरू हो जाएगा। विभाग के पास शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए 12 बोरवेल हैं। नहरी पानी आने के बाद सभी टैंकों को भर लिया जाएगा। इसके बाद शहर में नियमित रूप से पेयजल सप्लाई शुरू कर दी जाएंगी।

एमएसपी पर फसल खरीद में आढ़तियों को नहीं किया जा रहा शामिल

सरकार के सीधी फसल खरीदने के विरोध में आढ़ती, सौंपा ज्ञापन

एजेंसियों के खुद फसल खरीदने से आढ़ती हुए खाली, मुनिम, मजदूर व ट्रांसपोर्टर भी प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। मार्केट कमेटी के सचिव विजयसिंह को ज्ञापन सौंपते आढ़ती व पुलिस पहरे में सरसों की खरीद करते अधिकारी।

प्रदेश की अनाज मंडियों में गत 26 मार्च से रबी सीजन-2024 की सरसों की फसल की सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद होने के बाद अब एक अप्रैल से गेहूं एवं चने की भी मंडियों में खरीद शुरू हो चुकी है, लेकिन इस खरीद में मंडी में काम करने वाले आढ़तियों को शामिल नहीं किया जा रहा है, जिस कारण आढ़तियों यानि मंडी के व्यापारियों के सामने बेरोजगारी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। किसान व्यापारियों के यहां जींस बेचने की बजाए सीधे सरकारी समर्थन मूल्य पर फसलें बेचने को तवज्जो दे रहे हैं और आढ़ती मंडियों में एकदम खाली बैठे हैं। इससे व्यापारी ही नहीं मंडी के मजदूर, मुनीम व ट्रांसपोर्टरों का काम धंधा भी ठप हो गया है। इस स्थिति को लेकर उनमें रोष बना हुआ है और उन्होंने सरकार से इस खरीद में हिस्सेदार बनाए जाने की मांग की है।

सरकार मार्केट कमेटियों के जरिए अनाज मंडियों में लाइसेंसी आढ़ति बनाती है। जिनके पास आढ़त का यह लाइसेंस होता है, उन्हें मंडी में किसानों द्वारा लाई जाने वाली फसलों की बिक्री पर दो-ढाई प्रतिशत तक कमीशन दिया जाता है, जिससे उनकी इनकम हो जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों से प्रदेश सरकार सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीदी जाने वाली सरसों की खरीद में आढ़तियों को शामिल नहीं कर रही। इस कारण व्यापारियों को आढ़त नहीं मिल पा रही तथा उन्हें मोटा आर्थिक नुकसान हो रहा है, क्योंकि रबी फसल से ही उनको अच्छी-खासी कमाई होती है और इसी फसल पर उनका सालभर का घर खर्च एवं अन्य खचार्ं का इंतजाम होता है। सरसों ही वह फसल है, जो रबी के तहत मंडियों में सबसे ज्यादा आती है और इसकी बिक्री से किसानों ही नहीं, व्यापारियों की पौर-बारह हो जाती है, लेकिन पिछले कुछ सालों से ऐसा नहीं हो पा रहा तथा आढ़ती सरसों खरीद चालू होने के बावजूद मंडियों में हाथ पर हाथ धरे खाली बैठे हुए हैं। इससे मंडी के मजदूर, मुनीम एवं ट्रांसपोर्टर आदि सभी प्रभावित हो रहे हैं।

दिनोंदिन बढ़ने लगी है सरसों की आवक में तेजी

नारनौल। मंगलवार को नारनौल मंडी में 759 किसानों के गेटपास काटे गए, जो करीब 14,549 क्विंटल सरसों लेकर मंडी पहुंचे। इससे पहले सोमवार को 558 किसान करीब 10938 क्विंटल सरसों लेकर मंडी आए थे। भारी संख्या में किसानों के सरसों लेकर आने से आजकल पुलिस के पहरे में दिन-रात खरीद चल रही है। सरकारी समर्थन मूल्य 5650 रुपये प्रति क्विंटल की दर से हैफेड द्वारा सरसों की खरीद की जा रही है। खरीद गत 26 मार्च को शुरू हुई थी, वहीं एक अप्रैल से गेहूं एवं चने की भी सरकारी समर्थन मूल्य पर खरीद चालू हो चुकी है, लेकिन कमाल की बात है कि मंडी में अब तक गेहूं का एक दाना भी बिक्री के लिए नहीं पहुंचा है। गेहूं नहीं आने का कारण एक तो इलाके के किसान सिंचाई का पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं होने से इसकी बिजाई ही कम करने लगे हैं और उतना ही गेहूं बौने लगे हैं कि किसान अपने घर-परिवार का सालभर खाने का खर्च चला सकें। दूसरा कारण यह भी है कि इन दिनों गेहूं की लावणी अभी शुरू भी नहीं हुई है। अन्यथा ज्यादा मात्रा में पैदावार लेने वाले किसानों के मंडी में गेहूं लेकर आने की संभावना बनी रहती है। मगर अब तक ऐसा नहीं हो पाया है। सरकारी समर्थन मूल्य 2275 रुपये प्रति क्विंटल और चने का 5440 रुपये प्रति क्विंटल रेट घोषित किया हुआ है। गेहूं जिले की सभी छह मंडियों में खरीदा जाना है, जबकि चने की केवल महेंद्रगढ़, नांगल चौधरी एवं कनीना मंडी में खरीदा जाना है। कोआपरेटिव सोसायटी के मैनेजर रोशनलाल ने बताया कि मंडियों में सरसों की आवक जोर पकड़ चुकी है। बीती रात को भी उन्होंने मध्य रात्रि करीब डेढ़ बजे तक सरसों की खरीद की है। सुबह भी जल्दी ही किसान मंडी आकर लाइनों में लग जाते हैं।

एक मंडी की एक्सटेंशन खत्म

नारनौल शहर में अब दो मंडियां बन चुकी हैं। एक मंडी जहां जल महल के समीप नांगल चौधरी रोड पर बनी है, वहीं दूसरी मंडी जिला नागरिक अस्पताल के समीप स्थित है। अस्पताल के पास बनी मंडी की सरकार ने एक्सटेंशन दी हुई थी, जो अब इसी 31 मार्च को खत्म हो चुकी है। एक्सटेंशन खत्म होने से यह मंडी डि-नोटिफाईड हो गई है। डि-नोटिफाईड मंडी में अब व्यापारी जींसों की खरीद-फरोख्त नहीं कर सकते, जबकि अधिकांश व्यापारी इसी मंडी में जमे हुए हैं और यहीं से कारोबार करते हैं।

एसोसिएशन ने जताया रोष

आढ़ती एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला प्रधान लाला बृजमोहन गुप्ता ने बताया कि सरकार ने रबी सीजन की फसलों की खरीद में अब तक मंडी के आढ़तियों को शामिल नहीं किया है, जिस कारण उनका रोजगार चौपट हो गया है। इससे मंडी के मजदूर, मुनीम एवं ट्रांसपोर्टरों एवं अन्य लोगों पर भी बुरा असर पड़ रहा है। आढ़त से होने वाली कमाई से ही हम सबका घर-परिवार चलता है और सरकार ने आढ़तियों को खरीद में शामिल न करके हम सबके पेट पर लात मारने का काम किया है। उन्होंने बताया कि गत 28 मार्च को कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक हुई थी, जिसमें खरीद में आढ़तियों को शामिल करने पर चर्चा हुई। साथ ही सभी फसलों की खरीद आढ़तियों के माध्यम से कराने, सभी फसलों पर कम से कम ढाई प्रतिशत आढ़त देने व मार्केटिंग बोर्ड के नियमों में सुधार करने जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। सरकार हमारी मांगों को मानने में दिलचस्पी नहीं दिखा रही। सरकार ने हरियाणा मार्केट बोर्ड बनाकर प्रदेश में जगह-जगह अनाज मंडियां बनाई हुई हैं और आढ़ती मार्केट बोर्ड से लाइसेंस लेकर मंडियों में व्यापार कर रहे हैं। आढ़तियों ने मंडी में व्यापार के लिए करोड़ों रुपये लगाए हुए हैं। आढ़तियों के पास अनाज खरीद से कमीशन ही कमाई का एकमात्र माध्यम है। अगर सरकार अनाज खरीद मंडी के आढ़तियों के माध्यम से नहीं करेगी तो आढ़ती मंडी में दुकानों का क्या करेंगे? सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि अगर एक-दो दिन में सरकार हमारी मांगे नहीं मानती तो 5 अप्रैल तक पूरे प्रदेश की सभी मंडियो में हरियाणा सरकार के विरुद्ध धरना-प्रदर्शन किए जाएंगे। अगर सरकार ने फिर भी हमारी मांग नहीं मानी तो 15 मई से 25 मई तब दोबारा विरोध प्रदर्शन तेजी से चलाएंगे।

आढ़ती से करवाएं खरीद

प्रधान लाला बृजमोहन गर्ग की अध्यक्षता में मार्केट कमेटी के सचिव विजय सिंह को सीएम एवं कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिसमें मंडियों में फसलों की खरीद आढ़तियों से करवाने व सभी फसलों पर कम से कम ढाई प्रतिशत आढ़त देने एवं मंडियों में अन्य सुविधाएं प्रदान करने की मांग की। इस मौके पर मंडी के व्यापारी मौजूद रहे।

कनीना मंडी में 9000 क्विंटल सरसों खरीदी

कनीना। नई अनाज मंडी में समर्थन मूल्य पर 9000 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। इस बारे में खरीद अधिकारी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार की ओर से निर्धारित समर्थन मूल्य 5650 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीद एजेंसी हैफेड ने केंद्रीय एजेंसी नेफेड के लिए किसानों की सरसों खरीदी। जिसको वेयर हाउस गोदाम में रखवाया जाएगा। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वह अपने सरसों को साफ-सुथरी व सूखाकर अनाज मंडी में लेकर आए, ताकि उनको बाद में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। मार्केट कमेटी सचिव नुकूल ने बताया कि जो किसान अपने फसल का ऑनलाइन पंजीकरण करवाने वंचित रह गए थे, वह भी अपनी का फसल ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते हैं। सरकार ने पोर्टल दोबारा से खोल दिया है। इस मौके पर मार्केट कमेटी की सचिव नुकूल यादव, भरपुर सिंह यादव, एफआई ऋषिराज, अशोक शर्मा आदि मौजूद रहे।

8वें दिन 370 किसान सरसों लेकर पहुंचे अनाज मंडी

मंडी अटेली। मंगलवार को आठवें दिन क्षेत्र के किसानों ने अपनी सरसों की फसल बेचने में और अधिक उत्साह दिखाया। अपनी सरसों को ट्रैक्टर-ट्राली में लेकर अनाज मंडी के दरवाजे पर लाइन लगाकर खड़े दिखाई दिए। सुबह 8:30 बजे तक किसानों की ट्रैक्टर ट्राली की लंबी लाइन लगी दिखाई दी। इस दौरान मार्केट कमेटी अटेली के द्वारा 370 टोकन किसानों के बनाए गए, जिसमें करीब 7198 क्विंटल सरसों की रही। टोकन टोकन विंडो सुचारू रूप से चलने के लिए मार्केट कमेटी द्वारा पूरे इंतजाम किए गए थे, ताकि किसान धूप के मौसम में परेशान न हो। समय से नंबर आकर वह समय से अपने घर चला जाए। मंगलवार का दिन बड़ी शांतिपूर्वक रहा, जिसमें किसानों ने भी टोकन काटने को लेकर अपना सहयोग किया। हैफेड खरीद एजेंसी के द्वारा आज के दिन डेढ़ सौ टोकन की ही खरीद हुई, जिसमें 3000 क्विंटल सरसों की खरीदारी की गई। एजेंसी के मैनेजर सतेंद्र यादव ने बताया लिफ्टिंग की समस्या बनी हुई थी, जिसकी वजह से हमारा एक शेड पूरी तरह भर चुका है। अब मजदूर आ चुके हैं। बुधवार से सुचारू रूप से लिफ्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा। किसान को कोई जल्दबाजी करने की आवश्यकता नहीं है। वह आराम से अपनी सरसों की फसल लेकर आए साफ सुथरी सूखा कर जिसमें नमी 8 प्रतिशत तक हो, जिससे किसान का समय भी बचेगा, वह जल्द से जल्द अपनी फसल को बेचकर अपने घर चला जाएगा। जिन किसानो ने मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण किया हुआ है, उन सभी किसानों की फसलों को खरीदा जाएगा। किसानों को कोई दिक्कत न हो, इसलिए किसानों के आराम करने तथा दोपहर के भोजन हेतु कैंटीन की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

मंडियों को बर्बाद करने पर तुली सरकार: डॉ. मनीष

महेंद्रगढ़। आम आदमी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. मनीष यादव ने मंगलवार को प्रदेश की अनाज मंडियों में अव्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार को घेरा है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा में एक अप्रैल से गेहूं की सरकारी खरीद शुरू हो गई है, लेकिन अनाज मंडियों में इसके लिए कोई व्यवस्था नहीं है। प्रदेश की अनाज मंडियों में न तो सफाई की गई है और न ही मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त किया गया है। सरकार का इस ओर कोई ध्यान नहीं है। किसान कई-कई दिन रात मंडियों में पड़े रहते हैं, लेकिन सरकार की कमी और असुविधाओं के कारण उनकी फसल नहीं बिकती।

अपेंडिक्स का ऑपरेशन करने की बात कह काट दी आंत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- हिसार में बेटी की जांच करवाने पर हुआ डॉक्टर के कारनामे का खुलासा, पिता ने सीएम विंडो पर डॉक्टर के खिलाफ शिकायत

गांव माधोगढ़ निवासी एक व्यक्ति ने शहर के निजी अस्पताल के संचालक पर उसकी बेटी का गलत इलाज करने व आयुष्मान कार्ड से गलत तरीके से रुपये निकालने का आरोप लगाते हुए सीएम विंडो में शिकायत की है। शिकायत की एक-एक कॉपी सीएमओ नारनौल, डीसी मोनिका गुप्ता, एसपी अर्श वर्मा, मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री व डीजी हैल्थ को भेजी है।

सुभाषचंद ने बताया कि उसकी बेटी निधि को पेट दर्द की शिकायत होने के चलते शहर के निजी अस्पताल में दिखाया था। संचालक ने जांच करने के बाद 23 दिसंबर को अपेंडिक्स का ऑपरेशन किया। फिर 25 दिसंबर को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। कुछ दिन के बाद फिर बेटी को पेट दर्द होने से दोबारा से इसी अस्पताल नौ फरवरी को लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने पेट में पानी भरना बताया तथा सीरीज से पानी को निकाल दिया व बेटी को लेकर घर पर आ गया। दूसरे दिन बेटी को फिर से पेट दर्द होने के कारण इसी निजी अस्पताल लेकर आए, उन्होंने ऑपरेशन के द्वारा फिर से पानी निकाल दिया। फिर 18 फरवरी को डिस्चार्ज कर दिया तथा डॉक्टरों ने जांच के बाद टीबी बताई तथा सरकारी अस्पताल में करवाना पड़ेगा। बेटी को फिर दो दिन बाद 20 फरवरी को दोबारा दाखिल करवाया गया। इसी शिकायत की वजह से निजी अस्पताल के संचालक ने दो दिन रखने के बाद हिसार के जिंदल अस्पताल रेफर कर दिया। 22 फरवरी को बेटी को जिंदल अस्पताल हिसार में भर्ती करवाई गई। जिंदल अस्पताल के डॉक्टरों ने चार दिन रखने के बाद 26 फरवरी को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। वहां डॉक्टरों ने चेक किया तो बेटी निधि की अप्रेन्डीक्श लीक थी और आंत को महेंद्रगढ़ के निजी अस्पताल के डॉक्टर ने काट दिया था। इस कारण यह समस्या पैदा हुई। उसकी बेटी का इलाज अग्रोहा के डॉक्टरों ने किया है। अग्रोहा अस्पताल से 13 मार्च को उसकी बेटी को डिस्चार्ज कर दिया दिया। उन्होंने आरोप लगाया है कि उसकी बेटी निधी के ऑपरेशन का सारा खर्च महेंद्रगढ़ शहर के निजी अस्पताल ने आयुष्मान कार्ड से पैसे निकाले लिए तथा आयुष्मान कार्ड से पैसे काटने के बावजूद भी उससे दवाईयां, जांच व ब्लेड के 40 हजार रुपये लिए है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि निजी अस्पताल से उसने जब इलाज की रशीद मांगी गई तो उन्होंने कोई रसीद नहीं दी। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि उसकी बेटी का किया हुआ गलत ऑपरेशन व आयुष्मान कार्ड से निकाले गए रुपये की जांच की जांच कर कार्रवाई की मांग की।

फूड सेफ्टी एक्ट का पालन करें दुकानदार: एडीसी

एक माह में 9.46 लाख के काटे चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- दूध व मिठाई विक्रेताओं को अपनी दुकानों का पंजीकरण करवाना जरूरी

भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की देखरेख में प्रदेश में फूड सेफ्टी एक्ट लागू है। ऐसे में दूध व मिठाई विक्रेताओं को अपनी दुकानों का पंजीकरण करवाना जरूरी है। जिले में मार्च माह में अब तक फूड एंड सेफ्टी कोर्ट के केसों में नौ लाख 46 हजार 487 रुपये का चालान किया गया। इनमें सात मिसब्रांडेड, सात अवमानक व दो अपंजीकृत के केस शामिल हैं।

एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने बताया कि फूड सेफ्टी एक्ट के तहत दुकानदारों का लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन जरूरी है। बिना लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन के कोई भी दुकानदार कारोबार नहीं कर सकेगा। दुकान पंजीकृत करवाने के लिए एफओएससीओएस डॉट एफएसएसएआई डॉट जीओवी डॉट इन पर आवेदन किया जा सकता है।

एडीसी ने कहा कि बिना लाइसेंस व्यापार करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। लाइसेंस की कैटेगरी अलग-अलग हैं। फीस भी उसी हिसाब से लगेगी। इस कानून के दायरे में खाद्य पदाथार्ें के निर्माता, पैकर्स, थोक व सौ फीसदी निर्यात तथा आयात करने वाली इकाइयां, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब, कैंटीन, मिठाई-आइसक्रीम सहित अन्य छोटी दुकान, कैटरर्स, खाद्य पदाथार्ें का परिवहन व भंडारण करने वाले, प्रोसेसिंग इकाइयां (पैक या पुन पैक करने वाले) एक्ट के दायरे में आते हैं। इसमें केवल वे किसान हद के बाहर रखे गए हैं जो खेत से ही खाद्यान्न का बिक्री का धंधा करते हैं। एडीसी ने दुकानदारों से आह्वान किया कि वह अपनी दुकानों पर गुणवत्ता का विशेष ख्याल रखें। कोई भी सामान निर्धारित तिथि के बाद ना बेचा जाए।

डिजिटल सेक्टर में कैसे संवारें भविष्य

नालेज

यंगभूमि डेस्क

आज दुनिया तेजी से डिजिटल हो रही है। बिग डेटा के साथ एकुरेसी की तरफ ध्यान दिया जा रहा है। आज एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉक चेन, रोबोटिक्स, आईओटी जैसे तकनीकें तेजी डिजिटल दुनिया को बदल रही हैं। डिजिटल सेक्टर तेजी से विकसित होती इंडस्ट्री है, जो युवाओं को नए रोजगार अवसर प्रदान कर रही है। 2030 में डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर का आकार 1500 अरब डॉलर से अधिक होने की संभावना है। डिजिटल मार्केटिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, वेब डेवलपमेंट, डेटा एनालिटिक्स, साइबर सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र हैं जो डिजिटल सेक्टर में 3 से 6 महीने की स्किल सीखने पर उपलब्ध हैं।

भविष्य में भारी डिमांड

ये डिजिटल स्किल्स सीखें

वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर स्किल, सोशल मीडिया स्किल, पर्सनल आर्किविंग, इनफॉर्मेशन इवैल्यूएशन, स्क्रीनकास्टिंग, कोलैबोरेशन, इमेज एडिटिंग, कंटेंट राइटिंग एंड कंटेंट मैनेजमेंट, डाटा एनालिटिक्स, कॉपीराइट एंड प्लेगिअरिज़म, डाटा साइंस, डिजिटल प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, डिजिटल प्रोडक्ट मैनेजमेंट, सोशल मीडिया मैनेजमेंट, डिजिटल बिजनेस एनालिसिस, डिजिटल डिज़ाइन एंड डाटा विज़ुअलाइज़ेशन, वेब एंड एप डेवलपमेंट, डिजिटल प्रोग्रामिंग, डिजिटल वीडियो एडिटिंग आदि।

बेसिक लर्निंग : कोडिंग, ब्रांडिंग, क्लाउड सॉफ्टवेयर, माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, बैंकिंग एप्स आदि।

ये स्किल अहम : 1. सोशल मीडिया मार्केटिंग, 2. सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), 3. डिजिटल एनालिटिक्स, 4. ईमेल मार्केटिंग, 5. कंटेंट मार्केटिंग, 6. पेड एड्स, 7. वेबसाइट डेवलपमेंट, 8. वीडियो मार्केटिंग

डिजिटल कोर्सेज : सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), वेब एनालिटिक, ग्राफ़किक डिजाइनिंग, एनीमेशन एंड मल्टीमीडिया, ग्रोथ हैकिंग, सोशल मीडिया मार्केटिंग, ईमेल/ इनबाउंड मार्केटिंग, मोबाइल मार्केटिंग, कंटेंट मार्केटिंग, पे-पर-क्लिक (पीपीसी) मार्केटिंग, सर्टिफाइड डिजिटल मार्केटिंग मास्टर कोर्स आदि।

डिजिटल मार्केटिंग हॉट

मार्केटिंग का एक अन्य ट्रेंड है डिजिटल मार्केटिंग। यह उन सभी ऑनलाइन मार्केटिंग गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सकता है जो इंटरनेट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से की जा रहीं हैं। आज के समय में कंपनियां डिजिटल मार्केटिंग के लिए अलग-अलग प्लेटफॉर्मों का उपयोग कर रहीं हैं, जैसे वेबसाइट, सोशल मीडिया, ईमेल और मोबाइल एप्लीकेशन। इसी कारण डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन (एसईओ), सोशल मीडिया मार्केटिंग (एसएमएम), मार्केटिंग एनालिसिस्ट, ईमेल मार्केटिंग, वीडियो मार्केटिंग, फेसबुक विज्ञापन एक्सपर्ट की ढेरों रिक्तियां हैं।

जॉब ऑप्शन्स : डाटा साइंटिस्ट, वेस्ट डाटा मैनेजर, कमर्शियल/ सिविलियन ड्रोन ऑपरेटर, डिजिटल करेंसी एडवाइजर, डिजिटल आर्टिस्ट, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एक्सपर्ट, रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग एक्सपर्ट, डिजिटल प्रोडक्ट डिजाइनर, मोबाइल डिजाइनर, वेब डेवलपर/ वेब डिजाइनर, एनिमेशन एक्सपर्ट, एनालिटिकल मैनेजर, यूजर एक्सपीरियंस डिजाइनर, डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, ईमेल मार्केटिंग मैनेजर, सोशल मीडिया एक्सपर्ट, सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर, कॉपी/ कंटेंट राइटर।

टॉप रिक्रूटर्स : एफएमसीजी (फ्रास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स), रिटेल, टूरिज्म, बैंकिंग, हॉस्पिटैलिटी, आईटी एंड आईटीईएस, मीडिया/ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स/ चैनल्स, पीआर एंड एडवरटाइजिंग, कंसल्टेंसी, मार्केट रिसर्च और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइसेज आदि।

स्किल सीखने के फायदे

डिजिटली दक्ष युवाओं के लिए कई नौकरियां उपलब्ध हैं। डिजिटल मार्केटिंग सेक्टर में स्किल्ड युवाओं की कमी होने के कारण नौकरियों में उच्च वेतन दिया जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उद्यमियों के लिए एक लाभदायक विकल्प होता है। इसमें वे अपने उत्पादों और सेवाओं को व्यापक रूप से प्रचार कर सकते हैं और अधिक ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं। डिजिटल मार्केटिंग ने बाजार में एक नया मापदंड स्थापित किया है। इसमें अधिक लोगों तक आपका संदेश पहुंचाने के लिए कम खर्च की आवश्यकता होती है। इस तरह से, उद्यमी संचार के लिए कम समय और पैसे खर्च करते हैं। डिजिटल सेक्टर युवा नए क्षेत्र में रोमांचक तरीके से काम कर सकते हैं। आप खुद के बोस हो सकते हैं और स्वयं के अनुसार काम करने का फैसला कर सकते हैं। आप खुद के व्यवसाय या ऑनलाइन स्टार्टअप भी शुरू कर सकते हैं जो आपको स्वतंत्रता और आय की संभावनाएं प्रदान करता है। आप अपने दौर के अनुसार उचित संसाधनों और उपकरणों के साथ काम कर सकते हैं जो आपको आपकी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करते हैं। ऑनलाइन वर्क और प्लेटफॉर्म्स पर सुरक्षित रहना और जिम्मेदारी से काम करना आ जाता है।

डिजिटल सेक्टर के ट्रेंड्स

आधार आधारित

आधार आधारित मार्केटिंग बढ़ता हुआ ट्रेंड है। इस मार्केटिंग में ग्राहकों के बारे में जानकारी जैसे उनके नाम, उम्र, पता, ईमेल आईडी, सोशल मीडिया अकाउंट आदि इकट्ठी कर इसका उपयोग उन्हें प्रभावी ढंग से लक्ष्य दर्शकों के लिए विज्ञापन दिखाने में किया जाता है।

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया मार्केटिंग एक और महत्वपूर्ण डिजिटल मार्केटिंग ट्रेंड है। सोशल मीडिया पर विज्ञापन दिखाने के साथ-साथ, उत्पाद या सेवाओं को विस्तार से बताने और संचार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जाता है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट और विज्ञापन शेयर करके, व्यवसाय अपनी विनिमय विवरणों को ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं और ग्राहकों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वीडियो मार्केटिंग

वीडियो मार्केटिंग लोकप्रिय डिजिटल मार्केटिंग ट्रेंड है जो ऑडियो और वीडियो सामग्री के माध्यम से उत्पादों और सेवाओं का विज्ञापन करता है, क्योंकि इससे उत्पाद और सेवाओं के बारे में दिए जा रहे विवरणों को समझना आसान हो जाता है। यह वीडियो एड विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चलाए जा रहे हैं। जैसे - यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि।

आभासी दुनिया करियर बढ़ाने में कर सकती है मदद

चैटजीपीटी प्रोफेशनल्स बनकर डिजिटेक दुनिया में कमाएं नाम

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

एक शब्द जिसने हाल ही में आईटी उद्योग में तहलका मचा दिया है, वह है 'चैटजीपीटी'। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के साथ एक चैटबॉट, जिसे चैटजीपीटी कहा जाता है, को वर्ष 2022 में 30 नवंबर को लांच किया गया था। जनवरी में इसके मंथली एक्टिव यूजर्स की संख्या 10 करोड़ को पार कर गई थी। अधिक उपयोग के बावजूद हंगामा होता है, क्यों? दरअसल, चैटजीपीटी बहुत सारे सफेदपोश पदों के लिए खतरा है। शिक्षण संस्थान भी परेशान है, यह जानते हुए भी कि यह जल्द ही कभी नहीं होगा। अपने करियर में पेशेवरों के लिए, चैटजीपीटी सीखने में काफी मदद कर सकता है, उन्हें नए कौशल प्राप्त करने में सहायता कर सकता है, नौकरी के नए विकल्पों का खोज सकता है और अपने उद्योग में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रख सकता है। प्रत्येक पेशेवर की विशिष्ट आवश्यकताओं और रुचियों को पहचानने के लिए अपनी प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण कौशल का उपयोग करके, चैटजीपीटी व्यक्तिगत सीखने के अनुभव प्रदान कर सकता है। करियर क्षेत्र के पेशेवरों को इस तरह से प्रासंगिक और रोमांचक शिक्षण सामग्री का पता लगाना आसान हो सकता है। चैटजीपीटी कौशल विकास के लिए मार्गदर्शन और सहायता प्रदान कर सकता है, पेशेवरों को नए कौशल हासिल करने और अपने पेशेवर पोर्टफोलियो बनाने में मदद कर सकता है।

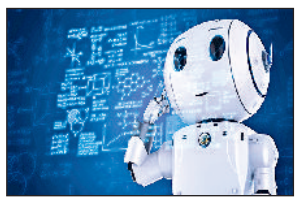

युवाओं की बन रहा पहली पसंद

क्या है चैटजीपीटी

चैटजीपीटी एक चैटबॉट है,जो कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित है। चैटजीपीटी (जनरेटिव प्री-ट्रेंड ट्रांसफॉर्मर) प्रोग्राम एक मशीन लर्निंग सिस्टम है जो डेटा इकट्ठा करता है, इससे सीखता है और शोध निष्कर्ष तैयार करता है। पुट-ई टूल अब भी उपलब्ध है। यह शब्द बनाने के बजाय 3डी दृश्य बनाता है। जिस तरह आप गूगल पर कुछ भी लिखते हैं और आपके सामने जवाब आते हैं। उसी तरह चैटजीपीटी पर सवाल करने पर आपको वो लिखकर जवाब देता है। चैटजीपीटी आपके सारे सवालों के जवाब केवल एक सर्च बॉक्स पर सवाल टाइप करने से देता है। गूगल सर्च से अलग, इस चैटबॉट की खासियत यह है कि यह इंसानों की तरह सोचता है और उनकी तरह सवाल-जवाब कर सकता है। चैटजीपीटी से आप किसी भी टॉपिक पर एक इंसान जैसे ही बात कर पाते हैं। बता दें कि चैटजीपीटी को नवंबर 2022 में ओपनएआई द्वारा लांच किया गया था। चैटजीपीटी से उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। फोर्ब्स ने सक्रिय एआई स्टार्टअप्स की संख्या में 14 गुना वृद्धि दर्ज की है। 72% अधिकारियों के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य में व्यापार में एक प्रमुख भूमिका निभाएगा।

यहां अवसर

1. टेक जॉब्स (कोडर्स, कंप्यूटर प्रोग्रामर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स, वेब डेवलपर्स, सॉफ्टवेयर डेवलपर्स, डेटा एनालिस्ट्स)
2. मीडिया नौकरियां (सामग्री निर्माण, विज्ञापन, तकनीकी लेखन, पत्रकारिता)
3. कानूनी उद्योग नौकरियां (पैरालीगल, सहायक)
   बाजार अनुसंधान विश्लेषकों
4. शिक्षक, प्रोफेसर
5. वित्त नौकरियां (वित्तीय विश्लेषक, सलाहकार)
   ट्रेडर्स, शेयर एनालिस्ट
6. ग्राफिक डिजाइनर
7. लेखाकार
8. ग्राहक सेवा एजेंट

मददगार टूल होगा

चैटजीपीटी करियर के विकास पर सलाह और मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है, जिससे पेशेवरों को नए करियर के अवसरों की पहचान करने में मदद मिलती है। विभिन्न विषयों पर चैटजीपीटी के ज्ञान की त्वरित पहुंच के कारण पेशेवर अपने प्रश्नों के उत्तर पा सकते हैं और तेजी से अपने सीखने को आगे बढ़ा सकते हैं। चैटजीपीटी नेटवर्किंग और सहयोग के अवसर पेश करते हुए पेशेवरों को उनके उद्योग के अन्य विशेषज्ञों से जोड़ सकता है। पेशेवरों को अपने करियर को आगे बढ़ाने और उनकी क्षमताओं का विस्तार करने में मदद करने के लिए, चैटजीपीटी व्यक्तिगत कोचिंग और परामर्श प्रदान कर सकता है। पेशेवर अपने क्षेत्र में सबसे हालिया प्रगति के साथ अद्यतित रह सकते हैं और चैटजीपीटी के चल रहे सीखने के अवसरों का लाभ उठाकर अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनाए रख सकते हैं। चैटजीपीटी के सीखने के संसाधनों तक पहुंच के साथ पेशेवर जब भी उनके लिए सबसे सुविधाजनक हो सीख सकते हैं।

क्या है करता

चैटजीपीटी आपके लिए कंप्यूटर कोड जनरेट करता है। इसके साथ-साथ सवालों के जवाब, कथाओं को पूरा, अधूरे मुहावरे को सही करने, गिनती करने, नॉन-फिक्शन और फिक्शन कंटेंट लिखना और अनुवाद करना जैसे कार्य करता है।

क्यों बनाया गया

माइक्रोसॉफ्ट के ओपनएआई द्वारा विकसित चैटजीपीटी को एक एप्लिकेशन को मनुष्यों की तरह बातचीत करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है। कविता लिखने से लेकर किसी और समस्या के जवाब के लिए आप चैटजीपीटी की मदद ले सकते हैं।

स्मार्टफोन पर चैटजीपीटी नहीं

चैटजीपीटी का इस्तेमाल स्मार्टफोन पर नहीं किया जा सकता है। अगर आप प्ले स्टोर या एप स्टोर पर इसे खोजने का प्रयास करते हैं तो यहां फेक एप्स ही मिलती हैं, क्योंकि इस चैटबॉट का कोई ऑफिशियल एप अभी तक पेश नहीं हुआ है।

कैसे कर सकते इस्तेमाल

इस चैटबॉट का इस्तेमाल चैटजीपीटी की ऑफिशियल वेबसाइट **chat.openai.com**. पर कर सकते हैं। वेबसाइट पर साइन-अप करने के बाद एक अकाउंट क्रिएट करना होगा। साइन अप के लिए **https://chat.openai.com/auth/login** पर विजिट कर सकते हैं। अकाउंट क्रिएट होने के बाद अकाउंट वेरीफाई करवाना होगा। इसके लिए ईमेल पर वेरिफिकेशन लिंक पर प्रोसेस पूरा कर सकते हैं। अकाउंट क्रिएट होने के बाद आप सर्च बार पर अपने सवालों को पूछ सकते हैं। मालूम हो कि, चैटजीपीटी का इस्तेमाल अभी फ्री में किया जा सकता है। हालांकि, बहुत जल्द कंपनी चैटबॉट के लिए प्रीमियम सर्विस ला सकती है।

क्या सीखें

मशीन लर्निंग सीखें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई सीख कर चैटजीपीटी प्रोफेशन्लस बन सकते हैं। एआई सीखने के लिए गूगल समेत अनेक ऑनलाइन व ऑफलाइन प्लेटफॉर्म हैं। आजकल करियर का नया डेस्टिनेशन है।

व्यायाम, प्राणायाम और ध्यान से सुधारा जा सकता है मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

तनाव और अवसाद के समय में प्रेरित रहना छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल है। परीक्षाओं, पढ़ाई, करियर, और सामाजिक दबावों के बीच जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन चुनौतियों के साथ निपटने के लिए, छात्रों को तनाव को संभालने और प्रेरित रहने की कला को सीखना आवश्यक है। तनाव के समय में प्रेरणा का आधार स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली का होता है। नियमित व्यायाम, प्राणायाम, और ध्यान से मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारा जा सकता है। सही आहार और पर्याप्त नींद भी छात्रों को तनाव से बचाने में मदद कर सकते हैं। साथ ही, अपने कामों को स्वतंत्रता से निर्वाह करना और सकारात्मक सोच भी छात्रों को प्रेरित रख सकता है।

सोशल मीडिया से रहें सावधान

समय का सही प्रबंधन और सहायक संगठनों का सहारा भी उन्हें अधिक उत्साहित कर सकता है। अधिकतर, स्वाध्याय और प्रेरणा भी छात्रों को उनके उद्देश्यों की दिशा में प्रेरित कर सकता है। इस प्रकार, छात्रों को तनाव के समय में प्रेरित रहने के लिए अपने जीवन में ये सारे कदम उठाने चाहिए। आधुनिक युग में सोशल मीडिया का महत्व बढ़ता जा रहा है। यह आधुनिक तकनीकी उपकरणों के द्वारा संचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। सोशल मीडिया ने हमें दुनिया भर में अपने दोस्तों, परिवार, और समाज से जुड़े रहने का मौका दिया है। हालांकि, इसके साथ ही यह एक सुरक्षा का मुद्दा भी उठाता है। सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने की एक कार्यकारी रणनीति अपनाना आवश्यक है। पहले भारतीय युवा को सोशल मीडिया के उपयोग के बारे में जानकारी होनी चाहिए। उन्हें अपने प्रोफाइल की निजी जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए नियमित रूप से पासवर्ड बदलने की सलाह देनी चाहिए। उन्हें सावधानीपूर्वक अपनी पोस्टिंग करनी चाहिए ताकि वे अपनी निजी जानकारी को अनावश्यक लोगों से साझा न करें। दूसरा, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के उपयोग के लिए एक्सेस नियंत्रण बनाए रखना आवश्यक है। युवा को अपने डिवाइस के लिए पासवर्ड लॉक लगाने की सलाह दी जानी चाहिए, ताकि कोई अनधिकृत उपयोगकर्ता उनके खाते में प्रवेश न कर सके। साथ ही, यह भी महत्वपूर्ण है कि उन्हें अपने डिवाइस पर सोशल मीडिया ऐप्स को अपडेट रखें, क्योंकि अपडेट अक्सर सुरक्षा सुधारों को शामिल करते हैं। तीसरा, विशेष ध्यान देना चाहिए कि युवा अपने ऑनलाइन व्यवहार में सावधानी बरतें। उन्हें अज्ञात व्यक्तियों के साथ न केवल साइबर अपीक्स तकरार करनी चाहिए, बल्कि वे अपने प्राइवेट जानकारी को अपने हाथ में रखें। यह भी जरूरी है कि युवा अभिभावकों या विशेषज्ञों से संपर्क करें यदि उन्हें ऑनलाइन अपशब्दों, धमकी, या किसी भी अन्य अप्रिय गतिविधियों का सामना करना पड़ता है।

साइबर बुलिंग से सावधानी जरूरी

साइबर बुलिंग, प्राइवेसी लीकेज, और ऑनलाइन फिशिंग जैसी समस्याओं से बचने के लिए सोशल मीडिया पर जागरूकता और सावधानी बहुत महत्वपूर्ण है ताकि युवा साइबर बुलिंग, प्राइवेसी लीकेज, और ऑनलाइन फिशिंग जैसी समस्याओं से बच सकें।

⏭ **पासवर्ड की मजबूती:** अपने सोशल मीडिया खातों के लिए मजबूत पासवर्ड चुनें और उन्हें नियमित अंतराल में बदलें।

⏭ **निजी जानकारी का संरक्षण:** निजी जानकारी को साझा करने से पहले ध्यान दें और केवल विश्वसनीय और आवश्यक जानकारी ही साझा करें।

⏭ **साइबर बुलिंग के खिलाफ:** किसी भी तरह की साइबर बुलिंग को तुरंत रिपोर्ट करें और इसे बचाव में आने के लिए अपने दोस्तों और परिवार से सहायता मांगें।

⏭ **सावधानी से फिलहाल:** अनजाने या संदिग्ध संदेशों, लिंकों, या फाइलों को कभी खोलने से पहले सावधानी बरतें।

⏭ **अपडेट रहें:** सोशल मीडिया ऐप्स और सॉफ्टवेयर को समय-समय पर अपडेट करें, क्योंकि ये अक्सर सुरक्षा सुधारों को शामिल करते हैं।

⏭ **संवेदनशीलता बनाए रखें:** अपने और अन्य लोगों की संवेदनशीलता का सम्मान करें और अनचाहे संदेशों या फोटोग्राफों को साझा न करें।

⏭ **जागरूक रहें:** सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने के लिए नियमित रूप से साइबर सुरक्षा और ऑनलाइन नैतिकता के बारे में जागरूक रहें और अपडेटेड रहें।

इन तरीकों का पालन करके युवा सोशल मीडिया पर सुरक्षित रह सकते हैं और उन्हें अपने ऑनलाइन अनुभवों का आनंद लेने में सक्षम होगा। एक विद्यार्थी को किसी अन्य व्यक्ति के अच्छे वेतन और पसंद को देखकर कमजोर नहीं होना चाहिए।

सामान्य ज्ञान

1. निम्न में कौन सी भाषा संस्कृत भाषा की अपभ्रंश है?
(ए) खड़ी बोली (बी) ब्रजभाषा
(सी) अवधी (डी) पालि

2. अधिकतर भारतीय भाषाओं का विकास किस लिपि से हुआ?
(ए) शारदा लिपि (बी) खरोष्ठी लिपि
(सी) कुटिल (डी) ब्राह्मी लिपि

3. हिंदी भाषा किस लिपि में लिखी जाती है?
(ए) गुरुमुखी (बी) ब्राह्मी
(सी) देवनागरी (डी)सौराष्ट्री

4. वर्तमान हिंदी का प्रचलित रूप है?
(ए) अवधी (बी) ब्रजभाषा
(सी) खड़ी बोली (डी) देवनागरी

5. हिन्दी भाषा की बोलियों के वर्गीकरण के आधार पर छत्तीसगढ़ी बोली है?
(ए) पूर्वी हिन्दी (बी)पश्चिम हिन्दी
(सी)पहाड़ी हिन्दी (डी)राजस्थानी

6. निम्नलिखित में से कौन सी पश्चिमी हिन्दी की बोली नहीं है?
(ए) बुन्देली (बी) ब्रजभाषा
(सी) कन्नौजी (डी) बघेली

7. भारतीय संविधान में किन अनुच्छेदों में राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है?
(ए)343-351 तक (बी)434-315 तक
(सी)443-135 तक(डी) 334-153 तक

8. दक्षिणी भारत हिन्दी प्रचार सभा का मुख्यालय कहां स्थित है?
(ए) हैदराबाद (बी) बंगलौर
(सी) चेन्नई (डी)मैसूर

9. हिन्दी भाषा के विकास का सही अनुक्रम कौन-सा है?
(ए) पालि-प्राकृत-अपभ्रंश -हिन्दी
(बी) प्राकृत-अपभ्रंश-हिन्दी-पालि
(सी) अपभ्रंश-पालि-प्राकृत-हिन्दी
(डी) हिन्दी-पालि-अपभ्रंश-प्राकृत

10. संविधान के अनुच्छेद 351 में किस विषय का वर्णन है?
(ए) संघ की राजभाषा
(बी) उच्चतम न्यायालय की भाषा
(सी) पत्राचार की भाषा
(डी) हिन्दी के विकास के लिए निर्देश

उत्तर 1.(डी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(सी) 5.(ए) 6.(डी) 7.(ए) 8. (सी)9. (ए) 10. (डी)

खबर संक्षेप

नांगल चौधरी। सरस्वती स्कूल में हवन करके शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

संस्कारों में समावेश कर किताबी ज्ञान लें विद्यार्थी

नांगल चौधरी। सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रवेश उत्सव प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। इस दौरान हवन में आहुति डालकर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मन्नतें मांगी। प्रबंधक निदेशक अमित यादव ने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति की श्रेष्ठता से अवगत करवाया। प्रवेश लेने वाले बच्चों का अभिनंदन करके उन्हें स्कूल के नियमों की जानकारी दी। भारतीय संस्कृति पूरे विश्व की सिरमौर है। जिसके प्रभाव से देश विभिन्न अनेकताओं के बावजूद एकजुट बना हुआ है।

मकान से हजारों रुपये के जेवरात चोरी

नाहड़। लिलोढ गांव में चोर एक मकान से हजारों रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में पिंकी ने बताया कि वह अपने पति के साथ खेत में काम करने के लिए गई थी। शाम के समय घर आने के बाद संदूक का कुंदा टूटा हुआ मिला। चोर संदूक से चांदी के कई जेवरात चोरी कर ले गए। आसपास पता करने के बाद भी चोरों का पता नहीं चला। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया।

चोरों ने आंगनवाड़ी में सेंध लगाकर चोरी की

नाहड़। रतनथल बास में चोर एक आंगनवाड़ी केंद्र में घुसकर बैट्री चोरी कर ले गए। गांव की आंगनवाड़ी वर्कर्स सरोज बाला ने बताया कि वह आंगनवाड़ी बंद करने के बाद घर चली गई थी। सुबह आंगनवाड़ी में पहुंची तो दरवाजा खुला मिला। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

मारपीट मामलों में दो आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। थाना खोल पुलिस ने मारपीट व धमकी देने के मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार नांधा में रास्ता रोककर मारपीट करने के आरोप में गत वर्ष 18 नवंबर को दर्ज केस में अरविंद को काबू किया गया है। 28 जनवरी को दर्ज किए गए मामले में बास बटौड़ी निवासी सुभाष को गिरफ्तार किया गया है।

गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए कृषि विभाग अलर्ट: डा. देवेंद्र सिंह

कपास में गुलाबी सुंडी पर कृषि विभाग ने जारी की एडवाइजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बार-बार एक कीटनाशक का न करें छिड़काव

फसल के दौरान गुलाबी सुंडी के प्रकोप की निगरानी व नियंत्रण के लिए दो फेरोमोन ट्रेप प्रति एकड़ की दर से फसल में लगाए। गुलाबी सुंडी के प्रकोप की निगरानी के लिए प्रतिदिन सुबह-शाम खेत का निरीक्षण करते रहे। गुलाबी सुंडी से प्रभावित नीचे गिरे टिंडो, फूल डोडी व फूल को एकत्रित कर नष्ट कर दें। जिस खेत में गुलाबी सुंडी का प्रकोप न हुआ हो उस कपास को अलग से चुगाई करें व अलग ही भंडारित करें। गुलाबी सुंडी के प्रकोप वाले क्षेत्रों से नए क्षेत्र में कपास की लकड़ियों को नहीं ले जाना चाहिए। एक ही कीटनाशक का छिड़काव बार-बार नहीं करना चाहिए। जिस कपास की फसल में गुलाबी सुंडी का प्रकोप हुआ हो उस कपास को घरों या गोदामों में भंडारित नहीं करना चाहिए।

रोकने के लिए यह उपाय

गुलाबी सुंडी बीटी नरमें के दो बीजों को जोड़कर या भंडारित लकड़ियों में निवास करती है। इसलिए लकड़ी या बिनोलों का भंडारण सावधानीपूर्वक करना चाहिए। बीटी नरमे की लकड़ियों से निकलने वाले गुलाबी सुंडी के पतंगों को रोकने के लिए अप्रैल महीने से भंडारित लकड़ियों को पॉलीथिन शीट या मच्छरदानी से ढकें। पिछले साल जिन खेतों में या गांव में गुलाबी सुंडी की समस्या थी, वहां लकड़ियों से टिंडे व पत्तों को झाड़कर नष्ट कर दें। कपास की लकड़ी को झाड़कर दूसरे स्थान पर रखे व बचे हुए अवशेष को जलाकर नष्ट कर दें। गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए यह बगैर पैसे खर्च किए सबसे कारगर तरीका है। अतः सभी किसान अपने खेतों में व अपने गांव के नजदीक बनछटियों के ढेर को झाड़कर अवशेषों को जलाना सुनिश्चित करें।

कपास एक महत्वपूर्ण रेशे वाली नकदी फसल है। कपास में बीटी कपास आने से पहले तीन सुंडियों का जबरदस्त प्रकोप था। इन तीन सुंडियों में अमेरिकन सुंडी, गुलाबी सुंडी व चितकबरी सुंडी प्रमुख थी। पिछले कुछ वर्षों से मध्य व दक्षिणी भारत में बीटी कपास में गुलाबी सुंडी के प्रति प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण इसका प्रकोप देखा गया। वहीं वर्ष 2018-19 के दौरान उत्तरी भारत में गुलाबी सुंडी का प्रकोप पहली बार जिला जींद की कपास मिलों के आसपास देखा गया। क्षेत्र में गुलाबी सुंडी के प्रकोप का मुख्य कारण दक्षिण भारत के राज्यों से लाए गए बिनौले के साथ प्रतिरोधी गुलाबी सुंडी के आने से हुआ। इसका प्रकोप केवल कपास जिनिंग मिलों व बिनौले से तेल निकालने वाली मिलों के आसपास देखा गया। जिन किसानों ने पिछले साल के कपास की लकड़ियों का ढेर अपने खेत में लगा रखे हैं, वहां पर ज्यादा देखने को मिला हैं। गुलाबी सुंडी कपास की फसल को मध्य व अंतिम अवस्था में नुकसान पहुंचाती है, क्योंकि गुलाबी सुंडी टिंडे के अंदर से अपना भोजन ग्रहण करती है। जिससे कपास की पैदावार व गुणवत्ता पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसलिए इस वर्ष गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए कृषि विभाग पूरी तरह अलर्ट है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उप निदेशक डा. देवेंद्र सिंह ने बताया कि कपास उत्पादक किसानों को विभाग जागरूक करेगा। गुलाबी सुंडी के खतरे को देखते हुए कृषि विभाग मुख्यालय से समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाती है। इसके तहत कृषि अधिकारी नियमित तौर पर फील्ड में उतरकर कपास फसल की निगरानी करेंगे और जिन क्षेत्रों में कपास का उत्पादन अधिक होता है, उन गांव में गुलाबी सुंडी की पहचान और रोकथाम के लिए किसानों को जागरूक करेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा, ताकि किसान समय रहते गुलाबी सुंडी से होने वाले नुकसान से बच सकें। इसकी अतिरिक्त कृषि अधिकारी किसानों को खरीफ सीजन के कपास की लकड़ियों के अवशेषों को जलाने के लिए जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गुलाब सुंडी की पहचान व उसके आर्थिक कगार को जाने के लिए खेत में लगाए गए फेरोमोन ट्रैप में आठ प्रोढ़ पतंगे प्रति फेरोमोन ट्रैप में लगातार तीन दिन तक मिले या खेत में कपास के पौधों पर लगे हुए 100 फूलों में से 10 फूल गुलाब की तरह बंद दिखाई देते हैं तथा इन फूलों को खोलने पर इनमें गुलाबी सुंडी या इसके द्वारा बनाया हुआ जाल दिखाई पड़ता है या 20 हरे टिंडे 10-15 दिन पुरानी बड़े आकार केद्ध को खोलने पर दो टिंडों में गुलाबी या सफेद लारवा दिखाई देए तो गुलाबी सुंडी को नियंत्रण करने की आवश्यकता है।

महेंद्रगढ़। हवन करते विद्यालय स्टाफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बीआर स्कूल सेहलंग में हवन के साथ किया नए सत्र का शुभारंभ

महेंद्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलंग में मंगलवार को नए सत्रका शुभारंभ हवन के साथ किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों तथा स्टाफ सदस्यों ने मां सरस्वती और भगवान गणेश का पूजन किया। इस दौरान चेयरमैन हरीश भारद्वाज, उपसंचालक कृष्ण भारद्वाज, प्रोफेसर पंकज भारद्वाज और प्रधानाचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ स्टाफ सदस्य ने यज्ञ में आहुति देकर बच्चों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की। हवन कार्यक्रम पंडित सत्यनारायण शास्त्री द्वारा मंत्रोच्चारण से संपन्न करवाया। प्रधानाचार्य डॉ. राममोहन वशिष्ठ ने बताया कि अध्यात्म के बिना आदर्श शिक्षा की परिकल्पना रेगिस्तान में हरियाली खोजने के समान होती है। हमारे वैदिक कर्म हमें ने केवल व्यक्तिगत रूप से आदर्श जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हैं, अपितु समस्त मानवता की भलाई की ओर हमें प्रेरित करते हैं। चेयरमैन हरीश भारद्वाज ने बताया कि जीवन में बिना लक्ष्य निर्धारित किए हुए किया परिश्रम किसी भी व्यक्ति को सामान्य से विशिष्ट नहीं बना सकता। इस अवसर पर उपप्राचार्या ज्योति भारद्वाज, राजपाल, राजकुमार सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

यदुवंशी की छात्रा सपना राष्ट्रीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम

नारनौल। वैश कॉलेज रोहतक की ओर से मंगलवार को राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कैमिस्ट्री प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। जिसमें यदुवंशी डिग्री कॉलेज की छात्रा सपना पुत्री उमेद सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने इस शानदार सफलता पर सपना व उसके अध्यापकों को बधाई दी। इस अवसर पर डायरेक्टर सुरेश यादव, प्राचार्य बजरंग लाल, उपप्राचार्या डा. सोनल यादव, डा. प्रदीप यादव, कैमिस्ट्री विभाग प्रमुख बिरेंद्र यादव आदि ने सपना को बधाई दी।

आरपीएस स्कूल में नए सत्र पर किया हवन

■ हवन-पूजा हमारे ऋषि-मुनियों की देन: डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ

आरपीएस विद्यालय खातोद में नए सत्र का शुभारंभ पर हवन-पूजा कर किया गया। यजमान एडवोकेट नरेंद्र राव व संस्था की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव रही। ग्रुप सीईओ इंजी. मनीष राव, प्रिंसिपल डॉ. किशोर तिवारी, डीन एलएन गौड़ सहित सभी विंग हैड व शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे। आचार्य हरिप्रकाश जोशी व सज्जन शास्त्री ने वैदिक विधि-विधान से मंत्रोपचारण कर हवन पूजा को सम्पन्न करवाया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में कोई भी कार्य का शुभारंभ होता है तो सबसे पहले गणेश पूजा व हवन किया जाता है। हवन एक वैज्ञानिक पूजा पद्धति है, इससे वातावरण शुद्ध होने के साथ-साथ मानसिक चित व बुद्धि भी शुद्ध होती है। सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि हवन-पूजा हमें दृढ़संकल्प के लिए प्रेरित करती है। यज्ञ बेदी से शपथ लेकर देश की युवा पीढ़ी को नई ऊर्जा, नई दिशा देकर उन्हें उनके लक्ष्य पर पहुंचाने के लिए दृढ़ संकल्पित होते हैं।

आरपीएस कॉलेज में चलाया जागरूकता अभियान

■ कैडेट्स को महिला अधिकारों की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक कारते हुए। फोटो : हरिभूमि

महिला सुरक्षा और महिला अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने के तहत पुलिस विभाग की ओर से मंगलवार को आरपीएस कॉलेज बलाना में जागरूकता अभियान चलाया गया। यहां एनएसएस कैडेट्स को महिला सुरक्षा संबंधी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। महिलाओं, बेटियों को स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने तथा उनके अधिकारों की जानकारी दी। आरपीएस कॉलेज में पुलिस टीम ने एनएसएस छात्राओं से संवाद किया। दुर्गा शक्ति टीम इंचार्ज निरीक्षक मिनाक्षी ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न हेल्प लाइन नंबरों व नियमों, महिलाओं के विरुद्ध घटित होने वाले अन्य अपराधों पर कानूनी कार्रवाई के संबंध में विस्तृत रुप से जानकारी दी। आपात की स्थिति में 112 पर कॉल करें, इसके साथ ही डायल-112 के ट्रिप मॉनिटरिंग व जिले के पांच थानों में महिला हेल्प डेस्क भी स्थापित है और जिले में वन स्टॉप सेंटर महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए बना हुआ है। किसी महिला के साथ मारपीट, लड़कियों के साथ छेड़छाड़, घरेलू हिंसा, एसिड अटैक, दहेज उत्पीड़न या अन्य कोई घटना होती है तो उसके लिए वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से पीड़ित महिला को न्याय दिलाने के लिए कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि अधिकारों की जानकारी नहीं होने से लोगों का शोषण होता है।

रेवाणा में 50वां भंडारा, हजारों श्रद्धालु पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। रेवाणा के भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हुए श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा की सीमा से सटे राजस्थान के गांव रेवाणा में करीब सैकड़ों साल से बाबा रामस्वरूप जी महाराज के मंदिर में विशाल भंडारे व मेले का आयोजन किया जाता है। होली के बाद आने वाली अष्टमी के दिन मेले में भंडारे का समापन होता है। वहीं मेला में भंडारा करीब दो दिनों तक लगातार चलाया जाता है। लगातार चलने वाले इस भंडारे में हजारों की संख्या में साधु पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। दो दिनों तक लगातार 24 घंटे भंडारा चलता रहता है, वहीं लोगों की मान्यता है कि यहां पर पहुंचने पर हर व्यक्ति की मनोकामना पूरी होती है। करीब सैकड़ों साल से चले आ रहे इस मेले व भंडारे में भारत के हर कौने से साधु-महात्मा यहां पर पहुंचते हैं। साधु-महात्माओं के लिए रहने व खाने की व्यवस्था मंदिर परिसर में ही की जाती है, जहां पर कई दानवीरों के द्वारा लगातार दो दिन तक भंडारे का आयोजन किया जाता है। करीब 15 से 20 हजार की संख्या में भगत व साधु यहां पर प्रसाद ग्रहण करने के लिए पहुंचते हैं। अटेली मंडी में पंडित भवानी शंकर का परिवार पिछले 50 साल से लगातार भंडारे का आयोजन कर रहा है। आज उनकी चौथी पीढ़ी इस भंडारे में पहुंच साधु महात्माओं की सेवा कर रही है। भवानी शंकर के लड़के जगदीश शर्मा ने बताया कि पुरखों से चली आ रही परंपरा को आज हमारी चौथी पीढ़ी निभा रही है।

मतदाताओं को मिलेंगी चुनाव आयोग की गाइडलाइन पर हर सुविधा: दीपक

■ एडीसी ने विभिन्न बूथों का दौरा कर दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज नारनौल

नारनौल। बूथ की वैकिंग करते एडीसी दीपक बाबूलाल करवा। फोटो : हरिभूमि

अतिरिक्त उपायुक्त एवं नांगल चौधरी के एआरओ दीपक बाबूलाल करवा ने लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर विभिन्न गांवों में जाकर बूथों का जायजा किया। स्कूल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पांचनोता, बायल, मूसनोता व नांगल दर्गु आदि गांवों का दौरा किया। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बूथ पर चुनाव आयोग के निर्देश अनुसार सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं होनी चाहिए। जिला प्रशासन का प्रयास है कि मतदाताओं को बूथ पर किसी प्रकार की परेशानी ना हो उनके लिए हर प्रकार की सुविधाएं मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि सभी बूथ पर विकलांगों के लिए रैंप की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा विकलांगों के लिए वालंटियर सहायता के लिए मौजूद रहेंगे।

नारनौल। जन्मदिन पर पौधा भेंट करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खासपुर में पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पर्यावरण संरक्षण के लिए गांव खासपुर निवासी सोनू पत्नी संदीप ने अपनी बेटी दीपिका के जन्मदिन पर गांव में पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। इस अवसर पर मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल ग्रुप सदस्य अनूप रिवासा, मास्टर ओमप्रकाश खनगवाल, महासिंह, अशोक बेरी व सतीश अटाली ने बेटी दीपिका को मधुकामिनी का पौधा भेंट करके उसके उज्ज्वल भविष्य व दीर्घायु होने की कामना की। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए ग्राम सरपंच रीना देहरान व आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मायावती ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हर व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज औद्योगिकीकरण के कारण वन क्षेत्र लगातार घट रहा है, जिससे प्राकृतिक असंतुलन पैदा हो गया है। आधुनिक मानव अपनी वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करने में लगा हुआ है। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन न कर जरूरत के अनुसार उपयोग करें, ताकि पर्यावरण संतुलन न बिगड़े। दीपक व अजीत एडवोकेट ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने खुशी के अवसर पर पौधारोपण करना चाहिए, ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि दीपिका का परिवार बहुत ही बधाई का पात्र है। समाज में सभी लोगों को इनकी सोच से प्रेरणा लेनी चाहिए, ताकि गलोबल वार्मिंग से बचा जा सके। इस अवसर पर दारासिंह नंबरदार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुमन, मायावती, रमेश, रेखा, लीलावती, ममाज सदस्य महासिंह, राजेश, अशोक बेरी व दीपक आदि ग्रामवासी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्णा ग्रुप के चार विद्यार्थियों का नवोदय में चयन

■ टैलेंट सर्च में परीक्षा में स्कूल जिले में तीसरे स्थान पर रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित करते स्टॉफ सदस्य। फोटो : हरिभूमि

स्थानीय श्रीकृष्णा ग्रुप के चार विद्यार्थियों का जवाहर नवोदय में चयनित होने व एक विद्यार्थी का हरियाणा टैलेंट सर्च परीक्षा में जिला स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त करने पर स्कूल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि स्कूल के सीईओ कर्मवीर राव तथा विशिष्ट अतिथि स्कूल के डायरेक्टर यशवंत यादव मुख्य रूप से उपस्थित रहे जबकि अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य वीरेंद्र सिंह ने की। प्राइमरी हेड नत्थूराम व कोचिंग इंचार्ज शमशेर सिंह खटाणा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित नवोदय विद्यालय शिक्षा समिति द्वारा संचालित नवोदय स्कूल का प्रवेश परीक्षा परिणाम जारी किया गया था। जिसमें श्रीकृष्णा स्कूल की छात्रा नीतू, जिया व योगेश का चयन हुआ। वहीं दूसरी ओर हरियाणा टैलेंट सर्च परीक्षा में पंकज ने भी परीक्षा उत्तीर्ण कर जिला स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर स्कूल एंव क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। वहीं श्रीकृष्णा स्कूल सिहमा का एक विद्यार्थी अचिंत का कक्षा नौवी के लिए नवोदय स्कूल की परीक्षा में चयन हुआ है। सीईओ कर्मवीर राव ने कहा कि शिक्षा को एक नया आयाम देने के लिए जवाहर नवोदय की स्थापना की गई।

विद्यार्थियों ने नांगल मोहनपुर में निकाली मतदाता जागरूकता रैली

कनीना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल मोहनपुर में मंगलवार को प्रवेश उत्सव मनाया गया। जिसमें विभिन्न कक्षाओं में करीब 65 नए विद्यार्थियों के दाखिले किए गए। प्राचार्य इंचार्ज सरला कुमारी ने बताया कि प्रवेश उत्सव के दौरान कक्षा पहली से 12वीं तक के विद्यार्थी मौजूद रहे। प्रवेश उत्सव के बाद लोकतंत्र उत्सव मनाने के लिए विद्यार्थियों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली। देश में 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी युवाओं को लोकतंत्र उत्सव में हिस्सा लेना चाहिए। अत्यधिक मतदान स्वस्थ लोकतंत्र की प्रथम सीढ़ी है। लोकसभा चुनाव में मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान करने की अपील की।

सूचना

मै दया देवी पत्नी महीपाल वासी ग्राम कांटी तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ बयान करती हूं कि मैने अपने बेटे सुनील पुत्रवधु माया व पोता नीरज जिनको मेरे पति ने अखबार 18.08.2017 के माध्यम से अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल किया था लेकिन उनके अन्त समय में इहोंने उनकी खूब सेवा की थी अब उनके देहान्त के बाद ये मेरी भी खूब सेवा करते है। उनके अच्छे आचरण हो जाने की वजह से उस खबर को कैंसिल करती हूं। और अब आगे भविष्य में उनको मेरी सभी चल-अचल संपत्ति में पूरा अधिकार होगा।

ओउम इंटर नेशनल स्कूल में किया यज्ञ

■ नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। ओउम इंटर नेशनल स्कूल में हवन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ओउम इंटर नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल शोभापुर में भारतीय प्राचीन परंपरा का अनुसरण करते हुए शिक्षा सत्र 2024-25 का शुभारंभ यज्ञ से किया गया। यज्ञ में चेयरमैन दुष्यंत कुमार, वाइस चेयरमैन राजकुमार, सचिव एडवोकेट जयवीर यादव, कोषाध्यक्ष नरेंद्र बोहरा, प्राचार्य विकास चौधरी ने आहुति दी। स्कूल चेयरमैन दुष्यंत कुमार ने परमपिता परमात्मा, मां सरस्वती से प्रार्थना की कि यह वर्ष हर प्रकार की विपदाओं व महामारी से सुरक्षित रहे, ताकि बच्चों की शिक्षा में पूर्ण वर्ष की भांति किसी प्रकार की बाधा नहीं आए। विद्यालय के प्राचार्य विकास चौधरी ने बच्चों के लिए मंगल कामना की व स्कूल के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा देने का संकल्प लिया।

गुटखा खाने से घर साफ नहीं रहता तो मुंह कैसे साफ रहेगा : डॉ. रेनू

नारनौल। हम अक्सर देखते हैं कि कार्यालयों, घरों आदि की दीवारों पर गुटखा खाने वाले थूकते रहते हैं, जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियों की उत्पत्ति होती है। गुटखा खाने से जब हमारे कार्यालयों से लेकर घरों की दीवारें तक साफ नहीं रह सकती हैं तो हमारा मुंह कैसे साफ रह सकता है। गर्ल्स कॉलेज में दंत चिकित्सक डॉ. रेनू यादव ने सेमिनार को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि हर साल तंबाकू खाने से कैंसर जैसी भयंकर बीमारियों होती हैं। देखा जाता है कि गुटखा खाने वालों के दांत बहुत जल्दी खराब हो जाते हैं। उनका पूरा मुंह भी नहीं खुल पाता है। विदित रहे कि हर वर्ष मार्च में लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया जाता है। उन्होंने बताया कि अक्सर उनके पास ऐसे ही मरीज आते हैं, जिसके दांत पूर्ण रूप से खराब हो जाते हैं। दांतों के बगैर आदमी खाना भी ठीक प्रकार से नहीं खा पाता है।

सूचना

यह है कि मेरे पति अवतार सिंह पुत्र अमर सिंह पुत्र चेत सिंह वासी नियर शिव आईस फैक्टरी मोहल्ला खडखडी नारनौल तह. नारनौल जिला महेंद्रगढ हरियाणा का देहान्त 10.01.2024 को हो गया है। उनकी मृत्यु के बाद उनके निम्न जायज व कानूनी वारिस है। 1 कुलवंत कौर पत्नी 2 करण पुत्र 3 अमन पुत्री। इनके अलावा उनके और कोई कानूनी वारिस नही है। उक्त सभी की मै स्वयं जिम्मेदार हूं।

खबर संक्षेप

गोपाल कृष्ण शास्त्री सर्वसम्मति से बने प्रधान

नारनौल। मोहल्ला चांदुवाड़ा के मंदिर श्री सीताराम धर्मशाला में ब्राह्मण परिषद की बैठक हुई।

जिसमें कार्यकारिणी का गठन किया। सर्वसम्मति से गोपाल कृष्ण शास्त्री को प्रधान नियुक्त किया। प्रवक्ता क्रांति निर्मल शास्त्री ने बताया कि उपप्रधान मदनलाल शर्मा, सचिव मनीष निर्मल शास्त्री, सहसचिव अमित शर्मा, कोषाध्यक्ष दीपक शास्त्री, संगठन मंत्री राजेश शास्त्री बोहरा, संयोजक आनंद जोशी, प्रेस प्रवक्ता क्रांति निर्मल शास्त्री, कानूनी सलाहकार गोविंद शर्मा को नियुक्त किया तथा सभी को बधाई दी।

शिविर लगाकर कानूनी जानकारी देंगे अधिवक्ता

नारनौल। नालसा योजना के तहत निःशुल्क एवं सक्षम विधिक सेवा-2010 के तहत न्यायिक कॉम्पलेक्स में लोगों को कानूनी सहायता देने के लिए फ्रंट ऑफिस स्थापित किया गया है। फ्रंट ऑफिस में अप्रैल माह में अधिवक्ता जय भगवान व केसर सिंह लोगों को कानूनी जानकारी देंगे। इसमें कोई भी नागरिक सुबह 9:30 बजे से सायं पांच बजे तक कानूनी सलाह व सहायता ले सकता है। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी शैलजा गुप्ता ने बताया कि नालसा स्कीम के तहत न्यायिक कॉम्पलेक्स में कानूनी सहायता के लिए फ्रंट ऑफिस स्थापित किया।

पूर्व जिला पार्षद के पिता का निधन

नारनौल। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष व पूर्व जिला पार्षद इंद्रपाल यादव के पिता समाजसेवी शेरसिंह यादव का निधन हो गया। वे 86 वर्ष के थे तथा कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव मिर्जापुर बाछौद में किया गया। अंतिम संस्कार में गांव के गणमान्य लोगों के अलावा अनेक सामाजिक व राजनीतिक लोग मौजूद रहे।

नए सत्र से पहली, छटी, नौवी व ग्याहरवीं में किए जाएंगे दाखिले

हिन्दी माध्यम वाले बच्चों का मॉडल संस्कृति स्कूलों में नहीं होगा दाखिला

- सीबीएसई पैटर्न से अंग्रेजी से पढ़ने वाले बच्चों को मिलेगा दाखिला, हिंदी माध्यम का नहीं बनेगा नया सेक्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजकीय मॉडल संस्कृति विद्यालयों में अब नए आने वाले विद्यार्थियों को सीबीएसई प्रारूप के अनुसार केवल अंग्रेजी माध्यम में ही पढ़ाई कराई जाएगी।

नए सत्र से पहली, छठी, नौवीं और 11वीं कक्षा में दाखिले केवल अंग्रेजी माध्यम में ही होंगे। हिंदी माध्यम से कोई नया सेक्शन नहीं बनाया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने इन स्कूलों में दाखिले को लेकर आदेश जारी कर दिए गए हैं। बता दें कि सीबीएसई से मान्यता प्राप्त होने के बाद भी राजकीय स्कूलों से आने वाले विद्यार्थियों की संख्या ज्यादा होने के कारण मॉडल संस्कृति स्कूल में हिंदी माध्यम में दाखिले दे दिए जाते थे, लेकिन इस शिक्षा सत्र से विद्यार्थियों को हिंदी माध्यम में दाखिला नहीं मिलेगा। विद्यार्थियों को अगर पढ़ाई करनी है तो अंग्रेजी माध्यम में ही दाखिला लेना पड़ेगा। इस सत्र में एक अप्रैल से दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वहीं स्कूलों में सीटें खाली रहने की स्थिति में दूसरे चरण के दाखिले 27 अप्रैल से शुरू होंगे।

महेंद्रगढ़। मॉडल संस्कृति स्कूल का मुख्य द्वार। फोटो : हरिभूमि

इन दस्तावेजों का होना अनिवार्य

राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूलों में दाखिला लेने के लिए विद्यार्थियों के पास जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता अथवा सरंक्षक का आयु के लिए शपथ पत्र, रिहायश प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, विभाग द्वारा पहले से हीं तैयार किए गए आवेदन फार्म पर भरना होगा। यह आवेदन फार्म स्कूल द्वारा माता-पिता को निःशुल्क उपलब्ध करवाया जाएगा। विभाग द्वारा जारी किए गए पत्र में यह भी कहा गया है क किसी भी बच्चे को दस्तावेज के अभाव में दाखिले से वंचित नहीं किया जाएगा। बच्चे व अभिभावक को अस्थाई दाखिला देकर 30 दिन का समय प्रदान किया जाएगा। यदि आरक्षित सीटों के लिए समुचित संख्या में आवेदन नहीं आते है तो इन सीटों को सामान्य श्रेणी से भरा जाएगा।

संघ ने जताया ऐतराज

पहले एक लाख 80 हजार आय वाले विद्यार्थियों से फीस नहीं ली जाती थी। लेकिन इस बार विभाग की ओर से कोई आदेश नहीं आया हैं। इस बार सभी विद्यार्थियों से फीस ली जाएंगी। वहीं इस बार हिंदी मीड़ियम से पढाई करने वाले विद्यार्थियों को मॉडल संस्कृति स्कूल में दाखिला नहीं मिलेगा। इसको लेकर जल्द ही विभाग के अधिकारियों से बात की जाएंगी। पहले एक लाख 80 हजार आय से अधिक विद्यासार्थियों के लिए शिक्षा नहीं दी जा रही थी।

-महेश यादव, कर्मचारी नेता।

एक सेक्शन में 30 सीट निर्धारित

दाखिला शेड्यूल के अनुसार कक्षा पहली से पांचवी के लिए एक सेक्शन में 30 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसी प्रकार कक्षा छठी से आठवीं के लिए एक सेक्शन में 35 सीटें और कक्षा नौवीं व 12वीं के लिए 40-40 सीटें निर्धारित की गई हैं। एससी वर्ग के बच्चों के लिए प्रत्येक सेक्शन में तीन, बीसीए के लिए दो, बीसीबी के लिए एक तथा अनाथ, दिव्यांग व एचआईवी ग्रस्त बच्चों के लिए दो सीटें आरक्षित की गई हैं। हालांकि स्कूल मैनेजमेंट कमेटी अभिभावकों व शिक्षकों के साथ बैठक कर दो पारियों में स्कूल लगवाकर सेक्शनों की संख्या बढ़वा सकती है, परंतु इसके लिए बच्चों की संख्या पर्याप्त होना जरूरी है।

ये रहेगा दाखिला शुःल्क व मासिक फीस

विद्यालय शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी किए दाखिला शेड्यूल के अनुसार स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों को कक्षा पहली से पांचवीं की एकमुश्त दाखिला शुल्क 500 रुपये और कक्षा छठी से 12वीं की एकमुश्त दाखिला शुल्क 1000 रुपये है। इसके अलावा पहली से तीसरी कक्षा तक मासिक फीस 200 रुपये और चौथी-पांचवीं के लिए 250 रुपये देनी होगी। इसी प्रकार कक्षा छठी से आठवीं 300 रुपये, नौवीं व दसवीं के बच्चों के लिए 400 रुपये व 11वीं से 12वीं के लिए 500 रुपये मासिक फीस निर्धारित की गई है।

यह रहेगा शेड्यूल

विभाग द्वारा जारी किए पत्र में दाखिला प्रक्रिया एक अप्रैल से शुरू हो चुकी है। विद्यालय मुखिया द्वारा आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि एक से 20 अप्रैल, माता-पिता को एक से 20 अप्रैल तक आवेदन जमा करवाने होंगे। इसके अलावा 22 अप्रैल को ड्रॉ निकाला जाएगा। 26 अप्रैल को दाखिले की सूची जारी की जाएगी।

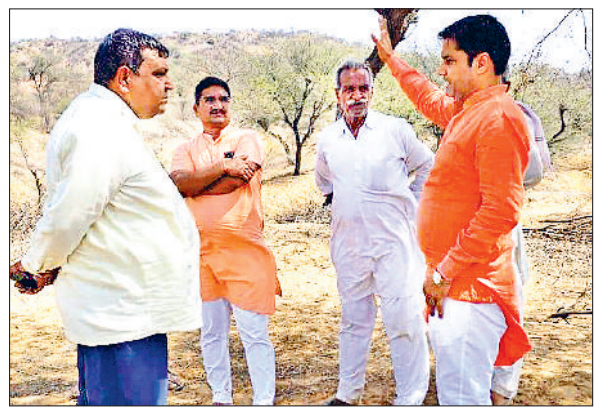

महेंद्रगढ़। अधिकारियों के साथ दौरा करते संदीप मालड़ा। फोटो : हरिभूमि

भैरों मंदिर पहाड़ी की तलहटी के तालाबों में भरा जाएगा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- नहर विभाग के एसडीओ ने निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने किया दौरा

गांव डिगरोता के भैरों मंदिर वाली पहाड़ी की तलहटी के आधा दर्जन तालाबों की श्रृंखला के बरसात के दिनों में नहरी पानी स्टोर किया जाएगा। विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि केंद्र सरकार का ध्येय है कि भूजल स्तर को बचाने के लिए बरसात के दिनों में अधिक से अधिक पानी को इस तरह के तालाबों में स्टोर किया जाना है। हरियाणा सरकार ने इस पर बेहद योजनाबद्ध तरीके से काम भी किया है। इसी कड़ी में गांव डिगरोता स्थित भैरों मंदिर की पहाड़ी की तलहटी में लगभग आधा दर्जन तालाबों की श्रृंखला है। इनमें कभी बरसात का पानी एकत्रित होता था। समय के साथ बरसात कम होने लगी और ये जोहड़ अब सूखे पड़े हैं। संदीप मालड़ा ने बताया कि डिगरोता में माधोगढ़ नहर का पंप हाउस नंबर तीन है। नहर विभाग के एसडीओ एवं गांव के सरपंच प्रतिनिधि तथा आमजन को साथ लेकर तालाब की इन श्रृंखलाओं का दौरा किया है। पंप हाउस से प्रेशराइजड पाइप लाइन के जरिए इन आधा दर्जन तालाबों में पानी भरने के प्रोजेक्ट को लेकर यहां सर्वे किया गया है। विभिन्न टेक्नीकल पहलुओं की जांच के बाद फ्लड एजेंड के तहत इस प्रोजेक्ट की रिपोर्ट जल्द ही मुख्यालय भिजवाई जाएगी। सभी सकारात्मक रहा तो चुनाव के बाद इस पर काम शुरू कर दिया जाएगा।

एसडीएम ने सुनी आमजन की शिकायतें

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

एसडीएम संजीव कुमार ने मंगलवार को लगे साप्ताहिक कैंप कार्यालय में आमजन की शिकायतें सुनीं। इस दौरान उनके सामने 28 नागरिकों की शिकायतें आई जिनमें से अधिकांश का मौके कर निपटान किया। एसडीएम के सामने अवैध कब्जे, बिजली, पानी, पीपीपी व राजस्व सहित कई अन्य मामले भी आए जिनको उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसईपीओ कृष्णपाल,एसईपीओ प्रवीन कुमार, कृषि विभाग से एसडीओ गजानंद, पीडब्ल्यूडी विभाग से एसडीओ कृष्ण कुमार, जिला समाज कल्याण विभाग से प्रदीप कुमार, बिजली विभाग से हिमांशु जांगड़ा, श्रम विभाग से सुरेंद्र लांबा, आयुष विभाग से अनिल, क्रिड विभाग से अनीता सैनी व रवि तंवर, रोजगार विभाग से राकेश इत्यादि अधिकारी मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। डीसी दरबार में शिकायत सुनते एसडीएम। फोटो : हरिभूमि

जब तक अंडरपास निर्माण कार्य पूरा नहीं होता, तब तक जारी रहेगा धरना

- आरयूबी अटेली संघर्ष समिति का धरना 119वें दिन रहा जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली में अण्डरपास निर्माण के शेष कार्य को पूरा करने के लिए अनिश्चितकालीन धरना 119वें दिन में प्रवेश कर गया। मंगलवार को धरना की अध्यक्षता डॉ राजेन्द्र प्रसाद खरब ने की तथा संचालन हनुमान शर्मा ने किया। आरयूबी 30 अटेली मण्डी अंडरपास निर्माण संघर्ष समिति संचालक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब व सामाजिक कार्यकर्ता व ट्रेड यूनियन नेता मास्टर सुबेसिंह ने भी उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर से संघर्ष समिति द्वारा बार-बार प्रस्तुत जन ज्ञापनों का स्मरण करते हुए इस जनहित के कार्य को शीघ्र पूरा करने का आग्रह किया, जिससे गांव तोबडा. के ग्रामीणों को श्मशान भूमि तक आने जाने व आसपास के लोगों को आवागमन की सहूलियत मिल सके। संघर्ष समिति दृढ़ संकल्पित है कि जब तक अटेली मण्डी अण्डरपास का शेष निर्माण कार्य पूरा नहीं होता, धरना जारी रहेगा। धरना पर संघर्ष समिति संचालक डॉ राजेन्द प्रसाद खरब, मास्टर सुबेसिंह, हनुमान शर्मा, घनश्याम जांगड़ा, बिजेंद्र चेयरमैन, प्रकाश खरब व किसान नेता महिपाल सिंह खरब सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

मंडी अटेली। अंडरपास की मांग को लेकर धरना देते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। बैठक करते संस्थान के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

कल्लूमल बगीची में 28 से होगा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- चार मई तक प्रतिदिन होगा गीता का पाठ

श्री गौ गोपाल प्रचार एवं असहाय सेवा संस्थान की बैठक आचार्य बजरंग शास्त्री के सानिध्य में हुई। जिसमें निर्णय लिया गया की धर्म की रक्षा के लिए समय-समय पर धार्मिक आयोजन होते रहना चाहिए। सचिव सुरेंद्र गोयल ने बताया कि सभी धर्म प्रेमी सज्जनों व भक्तों की ओर से श्री कल्लुमल बगीची मोहल्ला खड़खड़ी में 28 अप्रैल से चार मई तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। आचार्य बजरंग शास्त्री भक्तों को कथा अमृत का रसपान करवाएंगे। जिसके लिए सभी तैयारियां शुरू कर दी है।

विनोद सोनी ने बताया कि कथा का समय दोपहर एक बजे से सायं पांच बजे तक का रहेगा। पांच मई को यज्ञ में पूर्णाहुति होगी व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उपप्रधान सुरेश शर्मा ने बताया कि कथा में यजमान बनना चाहे तो संस्था के किसी भी सदस्य से संपर्क कर सकते हैं। कथा के मुख्य यजमान सपत्नीक महेश भालोठिया होंगे। इस मौके पर मनीष शास्त्री, विजय जिंदल, संजय गर्ग, प्रदीप संघी, राजेंद्र गुप्ता, सुमित अग्रवाल, दीपक बंसल, संजय बंसल, पवन शर्मा, चिराग गोयल, राकेश बंसल, सोमदेव शर्मा, कृष्ण गुप्ता, विनोद सर्राफ आदि मौजूद रहे।

मोहनपुर में आगे से 50 मण कड़बी जली

नांगल चौधरी। मोहनपुर में एक किसान की कड़बी को अज्ञात कारणों से आग लग गई। ग्रामीणों ने उपलब्ध संसाधनों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद दमकल विभाग में शिकायत दर्ज करवाकर आग बुझाने का आग्रह किया, लेकिन फायर ब्रिगेड पहुंचने से पहले ही करीब 50 मण कड़बी जलकर राख हो चुकी थी। जानकारी के मुताबिक सुरेश कुमार पुत्र रामचंद्र ने खाली प्लाट में कड़बी एकत्रित कर रखी थी। जिसकी कुट्टी करवाकर मकान में डालनी थी, ताकि पशुओं को चरा सके, लेकिन मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे कड़बी में अचानक आग लग गई। धुआं का गुब्बार देखकर सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लपेटें तेज होने के कारण उन्हें कामयाबी नहीं मिली। सूचना मिलने पर 2.45 बजे फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले पूरी कड़बी जलकर राख हो चुकी थी। पीड़त किसान की तरफ से शिकायत नहीं मिलने के कारण पुलिस ने अभी केस दर्ज नहीं किया है।

- खाली प्लाट में स्टोर करके रखी थी कड़बी

बोचड़िया स्कूल के छात्रों ने प्रस्तुत किए साइंस के मॉडल

- छात्रों को विज्ञान के विभिन्न क्रियाकलाप की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

अटेली क्षेत्र के गांव बोचड़िया के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में प्राचार्य मुरारी लाल की अध्यक्षता में विज्ञान संगोष्ठी एवं मॉडल प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें महिला महाविद्यालय अटेली से डॉ. नवनीत कुमार व रसायन शास्त्र प्रवक्ता सुनील कुमार विशिष्ट वक्ता रहे। कार्यक्रम का संचालक प्रवक्ता राजनीतिक शास्त्र अशोक कुमार व प्राइमरी अध्यापिका दीपक ने किया। कार्यक्रम में विज्ञान टीम ने हैरतअंगेज क्रियाकलाप दिखाए। प्रोफेसर डॉ. नवनीत कुमार ने विज्ञान के विभिन्न क्रियाकलापों की सभी छात्रों को विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ विज्ञान अध्यापक सोमेश्वर व विद्यालय के प्राचार्य मुरारीलाल ने भी विज्ञान विषय पर जानकारियां दी। उन्होंने जल है तो कल है विद्युत, घर्षण, ध्वनि, विद्युत, रोग प्रतिरोधक क्षमता, धातु अधातु आदि विज्ञान के विषयों के बारे में बताया। इस मौके पर विद्यालय के प्राचार्य ने बाहर से आए अतिथियों का धन्यवाद किया। इस मौके पर सविता, सुमन शर्मा, प्रमिला यादव, मुन्नी बाई, राजेश कुमार, धर्मेंद्र, संदीप यादव व मुकेश कुमार आदि स्टाफ उपस्थित रहे।

मंडी अटेली। बोचड़िया स्कूल में विज्ञान संगोष्ठी एवं मॉडल प्रस्तुति में बच्चों को जानकारी दते डॉ. नवनीत कुमार। फोटो : हरिभूमि

पुलिस ने अवैध शराब पकड़ी, आरोपित फरार

कनीना। सदर थाना पुलिस ने बवाना में छापेमारी कर एक व्यक्ति से कुल छह बोतल अवैध अंग्रेजी शराब बरामद करने में सफलता हासिल की है। इस बारे में थाना अध्यक्ष निरीक्षक रामनाथ ने बताया कि मुखबिर खास की सूचना पर पुलिस टीम ने छापेमारी की और एक घर के समीप से छह बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की। उन्होंने बताया कि आरोपित पुलिस को देखकर फरार हो गया। जिसकी पहचान लीला वासी बवाना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

हादसे में घायल टैंपो चालक की इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- 29 मार्च को ऊंची भांडोर मोड़ के पास हुआ था हादसा

बीते दिनो ऊंची भांडोर मोड के पास हुए सड़क हादसे में घायल टैंपो ड्राइवर की जयपुर के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। पुलिस ने मृतक के भतीजे की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अरविंद कुमार नेबताया कि वह गांव डोहर कलां का रहने वाला है। उसके 44 वर्षीय चाचा सुमित वासी डोहर कलां के पास एक ऑटो टैंपो है। उसके चाचा टैंपो को नारनौल से बुकिंग पर चलाता है। बीते 29 मार्च को समय करीब 6:30 बजे चाचा अपने टैंपो में नारनौल से सवारी लेकर महेंद्रगढ आ रहा था। जब वह ऊंची भांडोर मोड के पास पहुंचा तो पीछे से आ रही एक नामालूम गाड़ी के चालक ने अपनी गाड़ी को गफलत, लापरवाही से चलाकर टैंपो को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से चाचा सुमित को सिर, पसली व शरीर पर काफी जगह चोट आई। इसके अलावा टैंपो में बैठी सवारी ओमवती, रामकला, ईश्वर सिह वासी डोहर कलां को भी मामूली चोट आई है। घटना के बाद राहगीरों ने चाचा को महेंद्रगढ़ के निजी अस्पताल में दाखिल करवाया, जहां चिकित्सकों ने चाचा की गंभीर हालात होने के चलते हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन चाचा को इलाज के लिए जयपुर के शेखावटी अस्पताल लेकर गए, जहां इलाज के दौरान चाचा सुमित ने दम तोड़ दिया।

महिला का गाली-गलौच व धमकी देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

गांव झूक निवासी एक महिला ने गांव के ही व्यक्ति पर उसके साथ गाली-गलौच करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है।

पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर एक नामजद व्यक्ति के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला मीना देवी ने पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि आठ मार्च को दोपहर लगभग तीन बजे वह गांव में स्थित अपने निवास के गेट पर खड़ी थी। तभी गांव का अखिलेश अपने हाथ में तीन-चार फीट लंबा लोहे का फर्सा लहराते हुए मारने के लिए उसकी तरफ आया। उसकी धमकी व हाथ में फर्से को देख उसने अपनी जान की रक्षा में घर के लोहे के गेट को अंदर से बंद कर लिया। उसने उसे भीतर खड़ी हुई को भी चैनल गेट में से गंदी-गंदी गालियां देने लगा और फर्से को दिखाकर बोला कि जब भी उसे मौका मिलेगा तो वह कहीं भी उसी फर्से से एक झटके में गर्दन को शरीर से अलग कर देगा। इस डर की वजह से वह सदमे में चली गई। अब हिम्मत जुटाकर थाने में शिकायत देने आई है। इस घटना की वीडियो घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी रिकोर्ड हुई है। पुलिस ने मीना की शिकायत पर विभिन्न धाराओं में मामला दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

एसडीएम के सामने घटना, आश्वासन पर शांत हुए ग्रामीण

डीसी से फरियाद करने पहुंचे ग्रामीणों से उलझा कर्मचारी

- गांव ढाणा निवासी एक व्यक्ति के साथ बलवान फौजी सहित अन्य लोग रास्ता दिलाने की मांग को लेकर पहुंचे थे डीसी दरबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

लघु सचिवालय में मंगलवार को लगने वाले डीसी दरबार में एसडीएम के सामने शिकायत लेकर पहुंचे बलवान फौजी और ग्रामीणों की एक सरकारी कर्मचारी के साथ बहस हो गई। एसडीएम आश्वासन के बाद मामला शांत हुआ। बता दें कि सतनाली क्षेत्र के गांव ढाणा के ग्रामीण मंगलवार को डीसी दरबार में गांव का नाजायज कब्जा हटाने की मांग लेकर पहुंचे थे। डीसी की अनुपस्थिति में एसडीएम की ओर से शिकायत सुनी जा रही थी। ग्रामीणों का कहना है कि वह डीसी दरबार में अपनी शिकायत लेकर पहुंचे थे, लेकिन अधिकारियों ने उनकी सुनवाई नहीं की। शिकायत लिए बिना उनको वापस भेज दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने महेंद्रगढ़ विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी बलवान फौजी को फोन करके मौके पर बुलाया तथा ग्रामीण बलवान फौजी के साथ मिलकर दोबारा से शिकायत देने के लिए पहुंचे। शिकायर्ता के साथ पहुंचे ग्रामीणों ने बीडीपीओ ब्लॉक सतनाली के एसईपीओ प्रवीन पर काम नहीं करने का आरोप लगाया। इस दौरान कर्मचारी ने कहा कि उनके संज्ञान में अभी मामला आया है। ग्रामीणों ने कर्मचारी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। इस दौरान बलवान फौजी व एसईपीओ के बीच बहस शुरू हो गई। काफी देर तक बहस चलती रही। इसके बाद एसडीएम ने ग्रामीणों की शिकायत लेकर दो दिन में कार्य पूरा कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद मामला शांत हुआ। इस मौके पर डॉ. धर्मबीर पायगा, वारंट ऑफिसर रामभक्त यादव, सूबेदार जयराम, संदीप शास्त्री, तेजपाल धोलिया, सूबेदार अभयसिंह, कैप्टन विजय प्रकाश, कैप्टन विजय प्रकाश, भूपेंद्रपाल, नरेश कुमार व कर्णसिंह इत्यादि मौजूद रहे।

यह शिकायत लेकर पहुंचे थे ग्रामीण

गांव ढाणा निवासी शंकर सिंह ने उपायुक्त के नाम सौंपी अपनी शिकायत में बताया कि उसके घर व मोहल्ले में एकमात्र रास्ता जो की गांव की सकरी फिरनी है। यह रास्ता मोहल्ले निवासी एक व्यक्ति ने मैटिरियल डालकर रोक रखा है। इसके अलावा अन्य गांव के अन्य रास्ते भी विभिन्न लोगों ने कब्जा कर रखा है। जब उसने रास्ता खोलने की मांग की तो रास्ता बाधित करने वाले व्यक्ति ने उसको धमकी दी। रास्ता बंद होने के कारण स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों को भी काफी परेशानी होती हैं। क्योंकि यह स्कूल जाने का एकमात्र रास्ता है।

भैंस चोरी का एक ओर आरोपित गिरफ्तार

महेंद्रगढ़। देवास गांव से भैंस चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर पुलिस टीम ने एक ओर आरोपित को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान सुबेदीन उर्फ सुब्बा वासी पल्ला नूंह के रूप में हुई। आरोपित को प्रोडेक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया, आरोपित नूंह जेल में बंद था। आरोपित को मंगलवार को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में पुलिस द्वारा तीन आरोपितों को पहले गिरफ्तार किया गया था। शिकायतकर्ता अजीत सिह वासी देवास ने थाना शहर में शिकायत दर्ज कराई कि रात के समय उसकी दो भैंस अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005